है सिर पे मुकुट कंठ वैजन्ती माला भजन लिरिक्स

है सिर पे मुकुट,
कंठ वैजन्ती माला,
कहाँ जा छुपा है,
मेरा मुरली वाला।bd।

तू आंखों में मेरी,
सदा बस रहा है,
तू धड़कन है दिल में,
सदा बज रहा है,
है आंखों का मेरी,
तू ही एक उजाला,
कहाँ जा छुपा है,
मेरा मुरली वाला।bd।

मैं सोया करूँ तो,
दिखे तो है तू है,
मैं जागा करूँ तो,
लगे तो ही तू है,
है सपनो में मेरे,
तू ही आने वाला,
कहाँ जा छुपा है,
मेरा मुरली वाला।bd।

रे तुझको बुलाते है,
पर क्यो न आता,
अरे प्यास नैनो की,
क्यो न बुझाता,
ये 'राजेन्द्र' सुनता था,
तू है दयाला,
कहाँ जा छुपा है,
मेरा मुरली वाला।bd।

है सिर पे मुकुट,
कंठ वैजन्ती माला,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कहाँ जा छुपा है,
मेरा मुरली वाला।bd।

गीतकार / गायक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com